हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, बुधवार 20 मई 2026

04 आगजनी की बड़ी घटना होने पर जिला व अन्य...

07 मूर्छित प्रशासन, निरंकुश माफियाः 'हरिभूमि' का खुलासा...

सीपीसीबी और एमपीपीसीबी से मांगी वैज्ञानिक रिपोर्ट, अब 17 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

नर्मदा नदी में 11 हजार लीटर दूध बहाने और 211 साड़ियां विसर्जित करने पर एनजीटी सख्त

ट्रिब्यूनल ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पास विशेष रूप से नदियों में दूध बहाने को प्रतिबंधित करने वाले कोई अलग या विशिष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

धार्मिक आस्था के नाम पर नदियों को प्रदूषित करने के बढ़ते मामलों पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। भैरुंदा क्षेत्र में नर्मदा नदी में भारी मात्रा में दूध बहाने और साड़ियां विसर्जित करने के एक मामले को एनजीटी ने पर्यावरणीय अपराध माना है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की भोपाल स्थित सेंट्रल जोन बेंच ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को वैज्ञानिक जांच के आदेश दिए हैं और दोनों ही बोर्डों से जवाब तलब किया है।

एनजीटी में दायर याचिका के अनुसार यह पूरा मामला जिले की भैरूंदा तहसील के सातदेव और भैरूंदा के गांवों का है। यहां आयोजित एक बड़े धार्मिक आयोजन के समापन के दौरान आयोजकों द्वारा नर्मदा नदी में आस्था के नाम पर 11 हजार लीटर

दूध बहाया गया था। इसके साथ ही नदी की धारा में 211 साड़ियों भी विसर्जित की गईं।

याचिकाकर्ता ने ट्रिब्यूनल को बताया कि इतनी बड़ी मात्रा में जैविक और सिंथेटिक सामग्री नदी में डालने से नर्मदा नदी का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। इसके कारण पानी दूषित हो रहा है, जलीय जीवों की जान खतरे में पड़ रही है और नदी के आसपास की कृषि भूमि के भी प्रदूषित होने की आशंका पैदा हो गई है।

कानूनन अपराध है नदी में दूध बहाना

मामले की सुनवाई के दौरान एनजीटी ने एक बेहद महत्वपूर्ण और चौंकाने वाली बात को केन्द्रित किया। ट्रिब्यूनल ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पास विशेष रूप से नदियों में दूध बहाने को प्रतिबंधित करने वाले कोई अलग या विशिष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं।

नदियों में ऐसी सामग्री डाला प्रतिबंधित

एनजीटी ने साफ किया कि जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम 1974 की धारा 24 के तहत नदियों में किसी भी ऐसी सामग्री को डालने की सख्त मनाही है, जो पानी को प्रदूषित करती हो। दूध एक जैविक पदार्थ है और जब यह बड़ी मात्रा में पानी में मिलता है तो पानी की बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड को अत्यधिक बढ़ा देता है। इसके कारण पानी में घुली हुई ऑक्सीजन का स्तर तेजी से कम हो जाता है, जो जलीय जीवों के लिए जानलेवा साबित होता है। इसलिए यह कृत्य सीधे तौर पर कानून का उल्लंघन है।

अगली सुनवाई 17 जुलाई को

एनजीटी ने दोनों प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को निर्देश दिया है कि वे अपनी वैज्ञानिक रिपोर्ट और जवाब जल्द से जल्द ट्रिब्यूनल के समक्ष पेश करें। इस संवेदनशील और पर्यावरण से जुड़े बड़े मामले की अगली सुनवाई अब 17 जुलाई को तय की गई है। इस मामले के बाद अब देश भर की नदियों में धार्मिक आयोजनों के नाम पर खाद्य सामग्री और कपड़े विसर्जित करने की परंपराओं पर नए नियम बनने की उम्मीद जताई जा रही है।

एनजीटी ने दिए वैज्ञानिक जांच के आदेश

मामले को गंभीरता से लेते हुए एनजीटी ने सीपीसीबी और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को आदेश दिया है कि वे विशेषज्ञों के माध्यम से इस पूरे मामले का वैज्ञानिक डेटा एकत्र करें। ट्रिब्यूनल ने इन बिंदुओं पर विस्तृत जांच रिपोर्ट मांगी है, जिनमें क्या अनुष्ठानों के दिन नदी में इतनी बड़ी मात्रा में दूध बहाने से पानी की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ा। क्या इस कृत्य से नर्मदा नदी के जलीय जीवन और मछलियों को नुकसान पहुंचा है। क्या भविष्य में इस प्रकार की धार्मिक व सामाजिक गतिविधियों को रोकने या विनियमित करने के लिए नए नियमों या कड़े दिशा-निर्देशों की आवश्यकता है।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने 57 आवेदनों पर सुनीं समस्याएं

सीहोर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में कलेक्टर बालागुरू के. और जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से आए 57 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेढ.-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंस, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में एसडीएम तन्मय वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिपं की सामान्य सभा की बैठक 22 को होगी

सीहोर। जिला पंचायत सभाकक्ष में 22 मई को दोपहर 3 बजे जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में जनजातीय कार्य विभाग, जिला पंजीयक एवं सहकारी संस्थायें, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागों की गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी।

एक कदम सुपोषण की ओर अभियान के तहत वितरित की टोकरियां

सीहोर। महिला बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक कदम सुपोषण की ओर अभियान के अंतर्गत सीहोर जिला अस्पताल में पोषण टोकरी वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। सीडीपीओ शहरी बीएल मालवीय ने बताया कि कार्यक्रम में कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार और पोषण स्तर बेहतर करने के लिए पोषण टोकरियां वितरित की गईं। इस दौरान बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। इस अवसर सीडीपीओ ग्रामीण श्रीमती प्रियंका दीवान सहित विभागीय कर्मचारी उपस्थित थे।

जालसाज ने चार लोगों को एक ही जमीन बेचकर हड़पे लाखों धोखाधड़ी के शिकार क्रेताओं ने एसपी से की कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जमीनों के जालसाज ने एक ही जमीन चार लोगों को बेच दी। धोकाधड़ी कर लाखों रूपये हड़प लिए। जमीन की रजिस्ट्री किसी के नाम भी नहीं कराई।

चारों फरियादियों ने अहमदपुर थाना में नामजद शिकायत की। पुलिस ने चार माह में कोई कार्रवाही नहीं की। परेशान फरियादियों ने मंगलवार को एसपी को अवगत कराया। क्रेताओं ने एसपी से संबधित पर कार्रवाही करने की मांग की।

मंगलवार को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचकर क्रेता ग्राम शेखपुरा निवासी शिवनारायण गौर

पिता तुलसीराम गौर ने एसपी सोनाक्षी सक्सेना को बताया कि दोराहा तहसील के शंकरपुरा में रहने वाले विजय सिंह पिता छोटेराम ने 6 दिसंबर को भूमि खसरा क्रमांक 184/4 रकबा 0.4730 हैक्टेयर, एवं खसरा कमांक 184/5/1 रकबा 0.5670 हैक्टेयर एवं खसरा कमांक 185/3/1 रकबा 0.1580 हैक्टेयर एवं खसरा क्रमांक 186/1 रकबा 0.7780 हैक्टेयर इस प्रकार कुल किता 4 कुल रकबा 1.9760 हैक्टेयर यानि कुल 4 एकड़ 88 डिसमिल का सौदा 10 लाख 75 हजार रूपये प्रति एकड के मान से किया। गौर ने विजय सिंह को 15 लाख रूपये का पेमेंट कर दिया।

अनुबंध पत्र के पश्चात पता चला की उपरोक्त कृषि भूमि धोकाधड़ी कर पहले सुरेन्द्र सिंह कुशवाह पिता प्रहलाद सिंह निवासी अयोध्या नगर बायपास भोपाल को 15.05.2025 और देवान्स अग्रवाल पिता जयप्रकाश अग्रवाल निवासी महादेव मंदिर गुर्जरपुरा भोपाल को 18.03. 2025 और यश फैरवानी पिता जयप्रकाश फैरवानी निवासी मधुवन हायरस कोलार रोड भोपाल को 5.3.2025 को विजय सिंह धोकाधड़ी कर बेच चुका है। जालसाज तीनो व्यक्तियों से पैसा भी ले चुका है। धोकाधड़ी के शिकार हुए चारों फरियादियों ने कहा कि भूमि विक्रेता के द्वारा जानबुझकर धोकाधडी की गई है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में स्वयंसेवी संस्थाओं की जिला स्तरीय बैठक आयोजित

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में स्वयंसेवी संस्थाओं की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मप्र जन अभियान परिषद से जुड़ी विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं, अधिकारियों एवं समिति सदस्यों ने सहभागिता करते हुए जिले में संचालित सामाजिक एवं जनजागरूकता गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने स्वयंसेवी संस्थाओं की भूमिका को समाज और शासन के बीच मजबूत सेतु बताते हुए कहा कि शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सभी संस्थाओं को समन्वय एवं नवाचार के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव ने भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने म.प्र. जन अभियान परिषद की प्रस्फुटन योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिले में उपलब्ध लगभग 100 वर्ष पुराने ऐतिहासिक रिकॉर्ड, दस्तावेज, प्राचीन पुस्तकों, पुरानी वस्तुओं एवं सांस्कृतिक धरोहरों को व्यवस्थित रूप से एकत्रित कर डिजिटल रूप में अपलोड किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को जिले के इतिहास, संस्कृति और सामाजिक विकास की महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि पुराने अभिलेख और धरोहरें समाज की पहचान होती हैं, जिनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान की भी विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान विभिन्न समितियों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों, नवाचारों और जनभागीदारी आधारित गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की गई। बैठक में बताया गया कि जिले में जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, जल चौपाल, वृक्ष पूजन, नदी एवं बावड़ी संरक्षण, श्रमदान, जल मंदिर स्थापना, दीवार लेखन, स्वच्छता अभियान तथा जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं।

सीहोर का नाम सिद्धपुर करने की मांगः निर्माणाधीन ओवरब्रिज का नाम अंबेडकर सेतु रखने की अपील

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिला मुख्यालय का नाम बदलकर सिद्धपुर किए जाने और निर्माणाधीन हाउसिंग बोर्ड रेलवे ओवरब्रिज का नाम 'अंबेडकर सेतु' रखने की मांग की जा रही है। सोमवार को इस मामले में जिला कांग्रेस प्रवक्ता पंकज शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में इसके अलावा नगर के विभिन्न चौराहों और मंडी रेलवे ओवरब्रिज के आधिकारिक नामकरण की मांग भी उठाई गई।

सीहोर का पुराना नाम बताया सिद्धपुर

ज्ञापन में कहा गया कि नगर का प्राचीन नाम सिद्धपुर है, जिसे बाद में बदलकर सीहोर कर दिया गया। यहां की जनता लंबे समय से नगर का नाम फिर से सिद्धपुर किए जाने की मांग कर रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई प्रक्रिया शुरू नहीं

की गई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार से इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की।

ओवरब्रिज का नाम 'अंबेडकर सेतु' रखने की मांग : जिला कांग्रेस प्रवक्ता पंकज शर्मा ने बताया कि सीहोर नगर में निर्माणाधीन हाउसिंग बोर्ड रेलवे ओवरब्रिज का नाम देश के संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर 'अंबेडकर सेतु' रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसकी प्रक्रिया जल्द शुरू की जानी चाहिए।

अंबेडकर के योगदान से जोड़ा तर्क

पंकज शर्मा ने कहा कि जिस तरह संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान बनाकर समाज के सभी वर्गों, जातियों और संप्रदायों को एक सूत्र में बांधकर भारतीय गणतंत्र को मजबूत किया, उसी तरह यह हाउसिंग बोर्ड रेलवे ओवरब्रिज भी शहर के दो हिस्सों को आपस में जोड़ता है। इसलिए इसका नाम 'अंबेडकर सेतु' रखा जाना उचित होगा।

आज केमिस्ट हड़ताल पर रहेंगे, अपने मेडिकल बंद रखेंगे, केमिस्ट्स एसोसिएशन सरकारी पॉलिसी से नाराज

सीहोर। बुधवार जिले के केमिस्ट हड़ताल पर रहेंगे। केमिस्ट 700 मेडिकल स्टोर बुधवार को बंद रखेंगे। एसोसिएशन नकली दवाइयों का विरोध कर रहा है। ऑनलाईन दवा ब्रिक्री पर भी आक्रोश जता रहा है। कॉरपोरेट्स कारोबारियों के द्वारा दिए जा रहे डिस्कॉउंट को भी गलत बता रहा है। हड़ताल से केमिस्ट्स एसोसिएशन ने प्रशासन को पहले ही अवगत करा दिया है। दवा विक्रेता संघ जिलाध्यक्ष उमेश शर्मा,सचिव नरेश वर्मा कोषाध्यक्ष दिपक पाटीदार के नेतृत्व में यह हड़ताल की जा रही है।

दवा विक्रेताओं का कहना है कि हड़ताल करने के अलावा अब कोई विकल्प नहीं है सरकार सुनने को तैयार नहीं है ऑनलाईन प्लेट फार्म पर बिना जांच के दवाईयां बेची जा रही है यह दवाईयां लोगों के जीवन के लिए घातक है। विदेशी कॉरपोरेट्स द्वारा भारी डिस्कॉउंट दवाईयों पर दिया जा रहा है इस से छोटे केमिस्टों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। नकली दवाइयों से देश की जनता को नुकसान हो रहा है नकली दवाओं के कारण मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलबाड़ हो रहा है। इन सब मांगों को लेकर हम केमिस्ट अपने मेडिकल स्टोर बंद रखकर हड़ताल करेंगे।

नागरिक निर्धारित संस्थानों से ले सकेंगे दवाएं

मध्यप्रदेश केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन द्वारा 20 मई को मेडिकल स्टोर्स की हड़ताल के दौरान जिले में औषधि विक्रय संस्थानों को बंद रखने का आव्हान किया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के औषधि निरीक्षक किरण मघरे ने बताया कि मेडिकल स्टोर्स की हड़ताल के दौरान जिले के सभी प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों, सभी प्राइवेट अस्पतालों की मेडिकल स्टोर्स, सभी सरकारी अस्पताल एवं स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित फार्मेसी सहित सभी मेडप्लस एवं दवा इंडिया फार्मेसी सस्थानों पर दवाओं की आपूर्ति की जाएगी। नागरिक इन संस्थानों से दवाएं प्राप्त कर सकते हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित

समय सीमा में हो प्रकरणों का निराकरण, आमजन को न लगाना पड़े कार्यालयों के चक्कर : कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने जिले में संचालित राजस्व संबंधी कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण तथा राजस्व व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में राजस्व वसूली, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, भू-अर्जन, लोक सेवा गारंटी प्रकरण, सीएम हेल्पलाइन, सारा पोर्टल, उपार्जन कार्य, ई-विकास के माध्यम से खाद वितरण व्यवस्था तथा फार्मर रजिस्ट्री सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि राजस्व विभाग सीधे आमजन से जुड़ा विभाग है, इसलिए प्रत्येक प्रकरण का निराकरण संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ किया जाना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन सहित सभी राजस्व संबंधी शिकायतों एवं प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने राजस्व वसूली कार्यों की समीक्षा करते हुए वसूली अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में नामांतरण एवं बंटवारा प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

सीमांकन प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने विशेष रूप से पटवारियों को निर्देशित किया कि वे सीमांकन कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि वर्तमान में फसल कट चुकी है, इसलिए सीमांकन कार्यों को तेजी से पूर्ण करने का यह सबसे उपयुक्त समय है। उन्होंने सभी पटवारियों को प्रतिदिन नियमित रूप से सीमांकन कार्य करने और लंबित प्रकरणों का गंभीरता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। बुधनी क्षेत्र में सीमांकन के लंबित मामलों को लेकर कलेक्टर ने असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने को कहा तथा विवादित सीमांकन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि ऐसे मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत किया जाए, ताकि आमजन को समय पर सेवाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने सारा पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की भी समीक्षा की और लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। भू-अर्जन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि इन मामलों में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि समयबद्ध निराकरण से लंबित मामलों की संख्या स्वतः कम होगी और विकास कार्यों में भी तेजी आएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भू-अर्जन से जुड़े प्रकरणों में आवश्यक समन्वय बनाकर कार्यवाही करें तथा प्रभावित पक्षों की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से करें।

गांव-वार्डों में शिविर लगाकर सुलझा रहे बिजली शिकायतें

सीहोर। सीहोर में विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए संपर्क अभियान शुरू किया है। महाप्रबंधक पूनम तुमराम के अनुसार अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं से सीधे संवाद कर सेवाओं में तेजी लाना और शिकायतों का शीघ्र निराकरण करना है। अभियान के तहत वितरण केंद्रों के क्लस्टर स्तर पर शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में बिजली बिल, मीटर, सर्विस केबल, नए कनेक्शन और तकनीकी सेवाओं से जुड़ी समस्याओं की सुनवाई कर समाधान किया जा रहा है। सोमवार को अमलाहा के कालियाखेड़ी, बिजोरी के जानपुरबावड़िया, बिलकिसगंज के वीरपुर, इछावर के सेवनिया, खजूरीकला के सिराड़ी, अहमदपुर, दिवड़िया के मूण्डला, दोराहा के तकिया, नापलाखेड़ी के हसनाबाद, श्यामपुर के बर्री, थूना के दुपाड़ियाभील, भाउखेड़ी के प्रतापुरा और ब्रिजिशनगर में शिविर आयोजित हुए। सीहोर शहर जोन-1 के वार्ड 1, 2 और 29, जोन-2 के वार्ड 8, हकीमाबाद के खेमपुर, जावर के बमूलिया, आष्टा शहर के वार्ड 3, मैना के पटारियागोयल, मेहतवाड़ा के गुराड़ियावर्मा और सिद्दीकगंज में भी शिविर लगे।

खबर संक्षेप

मास्टर वॉलंटियर्स को दिया जनजागरूकता का प्रशिक्षण

सीहोर। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला पंचायत सभाकक्ष में मास्टर वालंटियर्स का जिला स्तरीय नशा मुक्ति जन जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित किया गया। सहायक संचालक महेश यादव ने बताया कि प्रशिक्षण में सभी वॉलिंटियर्स को विस्तार से जानकारी देते हुए यह बताया गया कि समुदाय को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति किस प्रकार जागरूक किया जाए और किस प्रकार एक नशामुक्त समाज बनाया जाए।

आरएसआई स्ट्राइकर्स 63 रन से जीता

सीहोर। मंगलवार को प्रतियोगिता का दूसरा मुकाबला आरएसआई स्ट्राइकर्स ओर आरएसआई टाइटंस के बीच खेला गया जिसमें आरएसआई टाइटंस के कप्तान सुमित सक्सेना ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। इस संबंध में जानकारी देते हुए आरएसआई क्रिकेट अकादमी के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि आरएसआई स्ट्राइकर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान अक्षय दुबाने के 89 रन, फैसल मालिक के 35 रन एवं पलाश परमार के 16 रनों की मदद से 167 रनों का लक्ष्य दिया, आरएसआई टाइटंस की ओर से गेंदबाजी करते हुए सुमित सक्सेना ने 3 विकेट प्रिंस वर्मा, गर्व उपाध्याय ओर कृष्ण मालविया ने 1-1 विकेट प्राप्त किया, लक्ष्य पीछा करते हुए आरएसआई टाइटंस की पारी कप्तान सुमित सक्सेना की 37 रनों की संघर्षपूर्ण पारी एवं गर्व उपाध्याय की 16 रनों की पारी के बावजूद निर्धारित 25 ओवरों में 103 रन 9 विकेट पर समाप्त हुई। आरएसआई स्ट्राइकर्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए ईशान रैकवार, अक्षय मेवाड़ा, हिरेंद्र मेवाड़ा ओर आदर्श ने 2-2 विकेट प्राप्त किए। अकादमी के कोच अजय चंदेल ने बताया कि कल प्रतियोगिता का तीसरा मुकाबला आरएसआई टाइटंस ओर आरएसआई लीजेंड्स के बीच सुबह 7 बजे से खेला जाएगा।

इंतजार: 45 डिग्री में तापमान में ट्रैक्टर-ट्रालियों के नीचे किसान

भैरूंदा। मई की भीषण गर्मी में जब तापमान 45 डिग्री के आसपास पहुंच चुका है, तब अन्नदाता अपनी ही फसल बेचने के लिए सड़कों पर तपने को मजबूर है। भैरूंदा क्षेत्र के खरीदी केंद्रों पर अव्यवस्थाओं ने हालात बद से बदतर कर दिए हैं। किसान दिन-रात ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में गुजार रहे हैं, सड़क किनारे ही उनका ठिकाना बन गया है। लू के थपेड़ों के बीच इंतजार की यह परीक्षा लगातार लंबी होती जा रही है, लेकिन जिम्मेदार अफसर और जनप्रतिनिधि एसी कमरों में बैठकर "सब ठीक है" का दावा कर रहे हैं।

हालात इतने गंभीर हैं कि केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह क्षेत्र में ही किसान अव्यवस्था से जूझ रहा है। हाल ही में मंच से किसानों की समस्याएं प्राथमिकता से हल करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन जमीनी सच्चाई इससे बिल्कुल उलट है। खरीदी केंद्रों पर बारदाने का संकट गहराया हुआ है और किसान तीन-तीन, चार-चार दिनों से लाइन में खड़े हैं।

बारदाना संकट से ठप खरीदी : निमोटा स्थित श्री शिवाय वेयरहाउस में पिछले चार दिनों से खरीदी लगभग बंद है। परिसर में किसानों की ट्रॉलियां कतार में खड़ी हैं, लेकिन बारदाना न होने के कारण तुलाई नहीं हो पा रही। हालात यह हैं कि सुबह 11 बजे तक वेयरहाउस के ताले तक नहीं खुल रहे। किसानों का आरोप है कि बारदाना खत्म होने का बहाना बनाकर उन्हें टाला जा रहा है, जबकि खरीदी बंद होने में अब महज 4 दिन शेष हैं।

'सैंपल' के नाम पर कट रही जेब : खरीदी केंद्रों पर अव्यवस्थाओं के साथ शोषण के आरोप भी सामने आ रहे हैं। किसानों का कहना है कि सैंपल के नाम पर 5 से 10 किलो गेहूं अतिरिक्त लिया जा रहा है, जिससे सीधा नुकसान हो रहा है। वहीं फ्लेट कांटे से तुलाई कर प्रति क्विंटल अधिक वजन दिखाकर भी कटौती की जा रही है। नियमों के विरुद्ध बड़े कांटे का उपयोग भी सवालों के घेरे में है।

आंकड़ों में प्रगति, जमीन पर अव्यवस्था

सरकारी आंकड़ों में अब तक 13 लाख क्विंटल गेहूं खरीदी का दावा किया जा रहा है, लेकिन हकीकत सड़कों पर खड़ी ट्रॉलियों में नजर आ रही है। किसान एक ओर खरीदी केंद्र पर नंबर के इंतजार में है, तो दूसरी ओर खेत में खड़ी मूंग की फसल को लेकर भी चिंतित है। जरा सी देरी पर फसल खराब होने का खतरा बना हुआ है।

किसान का दर्द

किसानों का कहना है कि घर में शादी-ब्याह और कर्ज का दबाव है। 45 डिग्री तापमान में ट्रैक्टर के नीचे सोकर बारी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन यहां बारदाना तक उपलब्ध नहीं है। अधिकारी मौके पर नहीं आते और कर्मचारी सुनवाई नहीं करते।

नगर और करीब 200 गांव की सुरक्षा खस्ताहाल दमकल व अप्रशिक्षित स्टाफ के भरोसे

आगजनी की बड़ी घटना होने पर जिला व अन्य तहसीलों से बुलाई जाती दमकल

वर्तमान में नगर परिषद के पास जो एक दमकल है वह भी सालों पुरानी होने के कारण खस्ताहाल है। दलकल पर तैनात कर्मचारी अप्रशिक्षित और अपर्याप्त है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ इछावर

गर्मी के मौसम में होने वाली आगजनी की घटनाओं पर काबू पाने के लिए प्रशासन के पास न तो पर्याप्त संसाधन हैं और न ही कोई इंतजाम। ऐसे में आगजनी होने पर लोगों को भारी नुक़सान उठाना पड़ रहा है। आग पर काबू पाने के लिए नगर परिषद के पास मात्र एक दमकल हैं। वह भी वर्षों पुरानी होने के कारण खटारा स्थिति में है , जो कि अनुपयोगी साबित हो रही है। लेकिन निकाय द्वारा अब तक नई दमकल एवं अन्य संसाधनों की उपलब्धता के लिए कार्ययोजना नहीं बनाई गई हैं। लोगों का कहना है क्षेत्र में जब कभी आगजनी की घटना होती है तब तक प्रशासन को जिला मुख्यालय अथवा आसपास तहसीलों से फायर ब्रिगेड बुलाई जाती है। वहां से फायर ब्रिगेड आने में समय लग जाता है। ऐसे में इधर नुकसान अधिक हो जाता हैं। इसके बाद भी जिम्मेदारों द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कई बार आग की चपेट में आने से घरों का सामान जलकर खाक हो गया है।

इछावर। नगर परिषद के पास एक मात्र दमकल वह भी खटारा फायर स्टेशन नहीं होने थाने में खड़ी रहती है

तहसील में 77 ग्राम पंचायत, 200 से अधिक गांव आते हैं : इछावर जनपद पंचायत के तहत 77 ग्राम पंचायत के करीब 200 से अधिक गांव एवं नगरीय क्षेत्र आता है , लेकिन इनकी सुरक्षा को लेकर महज एक खटारा दमकल गाड़ी है। जो आगजनी पर नियंत्रण पाने में नाकाफी साबित हो रही है। लोगों का कहना है कि तहसील क्षेत्र में राजस्व सर्किल के अनुसार दमकल की व्यवस्था सांसद , विधायक निधि या प्रशासन स्तर पर की जाना चाहिए। ताकि आगजनी की घटना होने पर उसे जल्दी ही काबू किया जा सके।

गर्मी में खेत, खलिहान या घर में आग लगने की घटना होती है : गर्मी के मौसम में जब भी खेत, खलिहान या घर में आग लगने की घटना होती है तो आग को बुझाने में अभाव नजर आता है। तहसील क्षेत्र की 77 ग्रापं के करीब 200 से अधिक गांवों में आग बुझाने के संसाधनों का अभाव है।

कर्मचारी प्रशिक्षित नहीं , सुरक्षा उपकरणों का भी अभाव : नपं के पास वर्तमान में जो एक दमकल है वह भी सालों पुरानी होने के कारण खस्ताहाल है। दलकल पर तैनात कर्मचारी अप्रशिक्षित और अपर्याप्त है। इसके अलावा इनके पास सुरक्षा के पर्याप्त उपकरण भी नहीं है। उपलब्ध संसाधनों में ही कर्मचारियों को आगजनी पर काबू पाने के प्रयास करना पड़ता है।

नहीं है फायर स्टेशन

दमकल गाड़ी के लिए नगर में फायर स्टेशन नहीं है। स्टेशन के अभाव में दमकल गाड़ी थाना परिसर में खड़ी रहती है। कर्मचारियों को खुले आसमान के नीचे अथवा पेड़ों की छाया में बैठना पड़ता ।

नगर को 3 दमकल की दरकार

नगर के जितेंद्र वर्मा, सुनील यादव, अखिलेश वर्मा ने बताया कि क्षेत्र की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन के पास लगभग 3 बड़ी दमकल और प्रशिक्षित स्टाफ होना चाहिए। अभी जो एक दमकल है वह तहसील क्षेत्र के हिसाब से आग पर नियंत्रण करने में नाकाफी है। वहीं स्टाफ भी प्रशिक्षित नहीं है। आगजनी की घटनाओं पर नियंत्रण पाने के लिए प्रशासन को तत्काल दो नई दमकलों को क्रय करना चाहिए। दो दमकलों को रिजर्व में रखना चाहिएं, जिन्हें आपात स्थिति में उपयोग किया जा सकें। किसान रामभरोस ने बताया कि पूर्व में आगजनी को लेकर कई घटनाएं हो चुकी हैं। जिसमें घर ग्रहस्थी का सामान व उपज जलकर खांक हो चुकी है। इसलिए जरूरी है कि प्रशासन को लगभग 3 बड़ी दमकल क्रय करना चाहिएं, जिससे की कोई भी आगजनी की घटना पर तत्काल नियंत्रण पाया जा सके।

प्रस्ताव भेजा जा रहा है

यह सच है कि आगजनी की घटनाओं पर नियंत्रण पाने के लिए हमारे पास पर्याप्त संसाधन और उपकरण नहीं है। पूर्व में नई दमकल खरीदने के वरिष्ठ कार्यालय को प्रस्ताव भेजा गया था , लेकिन स्वीकृति नहीं मिली। फिलहाल मौजूदा दमकल की मरम्मत कराई जा रही है।

धरमराज यादव, सीएमओ नप इछावर

वेयरहाउसों में अव्यवस्था पर गरजे कांग्रेस नेता तुलाई में देरी होने से किसानों की बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

गेहूं उपार्जन केंद्रों पर किसानों को हो रही परेशानियों को लेकर कांग्रेस नेता विक्रम मस्ताल हनुमान ने क्षेत्र के विभिन्न वेयरहाउसों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने किसानों और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर जमीनी हकीकत जानी। किसानों ने तुलाई में देरी, स्लॉट की अव्यवस्था, बार-बार तुलाई रुकने और घंटों इंतजार जैसी समस्याएं सामने रखीं।

मौके पर मस्ताल ने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर व्यवस्थाओं में सुधार की मांग की। उन्होंने कहा कि अन्नदाता दिन-रात मेहनत कर देश का पेट भरता है, लेकिन उसे अपनी ही फसल बेचने के लिए परेशान होना पड़ रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। स्लॉट व्यवस्था की खामियों के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक तनाव भी झेलना पड़ रहा है।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि तुलाई प्रक्रिया समयबद्ध और पारदर्शी बनाई जाए तथा वेयरहाउसों पर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। मस्ताल ने कहा कि कांग्रेस हमेशा किसानों के अधिकारों की आवाज उठाती रही है और आगे भी संघर्ष जारी रहेगा। इस दौरान ब्रजपाल राजावत, देवेंद्र सिंह, किशोर सोलंकी, कपिल चौहान, सोनू मुकाती, बसंत मालवीय सहित कई कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

आईईएस पब्लिक स्कूल के छात्रों ने सीबीएसई 12वीं बोर्ड में किया टॉप

सीहोर। आईईएस पब्लिक स्कूल इस बात की गवाही देता है कि लगातार कड़ी मेहनत के साथ समर्पण सफलता के मार्ग की प्रशंसा करता है साथ ही उपलब्धि आत्मसम्मान और आत्मविश्वास बनाता है। आईईएस पब्लिक स्कूल के छात्रों ने सीबीएसई 10 वी बोर्ड परीक्षा में शानदार परीक्षा परिणाम के बाद सीबीएसई 12 वी बोर्ड में भी शानदार परीक्षा परिणाम से संस्था को गौरान्वित किया एवं परीक्षा में अपना उत्क्रष्ट प्रदर्शन दिया। आईईएस पब्लिक स्कूल सीहोर की ऋचा राठौर और दिव्यांशु सोनी ने ह्यूमैनिटी संकाय में 93.8' अंक हासिल कर आईईएस पब्लिक स्कूल का नाम रोशन किया वही ऋचा राठौर ने पॉलिटिकल साइंस में 100 में से 100 अंक भी प्राप्त किए। वहीं आईईएस पब्लिक स्कूल भोपाल की सीहोर निवासी महेक कौशल (ह्यूमैनिटी) की छात्रा ने 98.2 प्रतिशत अंक हासिल कर ह्यूमैनिटी स्टीम से भोपाल शहर में दूसरा वही ओवरऑल में तीसरा स्थान हस्सिल कर संस्था क गौरान्वित किया। छात्रों की इस विशेष उपलब्धि पर आईईएस पब्लिक स्कूल भोपाल एवं सीहोर के प्रिन्सपल, वरिष्ठ शिक्षक एवं कोऑर्डिनेटरस ने छात्रों के घर पहुच कर छात्रों सहित उनके पेरेंट्स को तिलक लगाकर एव माला पहना कर सम्मानित किया वही केक काट कर छात्रों को भविष्य के लिए शुभकामनाए दी। इस उपलब्धि पर प्रो. मनीषा कवठेकर, डाइरेक्टर, आईईएस पब्लिक स्कूल ने सभी छात्रो को हार्दिक बधाई दी और छात्रों को इस तरह के मंच पर तैयार करने के लिए माता-पिता के साथ-साथ $फैकल्टि मेम्बर द्वारा की गई प्रयासों की सराहना की। साथ ही बताया के आईईएस पब्लिक स्कूल के छात्रो ने एसओएफ ओलंपियाड एव नेशनल लेवेल विज़ स्पैल बी कॉम्पटिशन में भी अपना परचम लहराया है।

टूटी पाइप लाइनें और विभागीय खींचतान के बीच महिलाएं-बच्चे ढो रहे पानी

44 डिग्री में 'प्यासा' तजपुरा: 26 पंचायतों में नल जल योजना ठप, पानी के लिए जूझ रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

भीषण गर्मी के इस दौर में जब तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, भैरुंदा जनपद की तस्वीर बेहद चिंताजनक हो गई है। जनपद की 101 ग्राम पंचायतों में से करीब 26 पंचायतों के गांवों में जल संकट विकराल रूप ले चुका है। जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई नल-जल योजनाएं पूरी तरह ठप पड़ी हैं। गांवों में खड़ी पानी की ऊंची टंकियां अब केवल शोपीस बनकर रह गई हैं, जबकि घर-घर तक बिछाई गई पाइपलाइनें जगह-जगह टूटकर बेकार पड़ी हैं।

इसका सबसे बड़ा खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। खासकर महिलाएं और छोटे बच्चे रोजाना कई किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर हैं। सुबह होते ही सिर पर घड़े और हाथों में बाल्टियां लेकर पानी की तलाश में निकलना उनकी दिनचर्या बन चुकी है। तपती धूप और झुलसाने वाली गर्मी में घंटों मशक्कत के बाद भी कई बार पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। इस संघर्ष का सीधा असर उनके स्वास्थ्य और रोजमर्रा के जीवन पर पड़ रहा है।

ग्राम तजपुरा इस संकट का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। करीब 2500 की आबादी वाले इस गांव में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। अधिकांश हैंडपंप खराब पड़े हैं, वहीं आदिवासी बस्ती का इकलौता हैंडपंप भी महीनों से बंद है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क की ऊंचाई बढ़ाने से हैंडपंप जमीन में धंस गया और उपयोग के लायक नहीं रहा। कई शिकायतों के बावजूद अब तक इसकी मरम्मत नहीं हो सकी।

स्थिति तब और बिगड़ गई जब नल-जल योजना की पाइपलाइन भी निर्माण कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त हो गई। इसके चलते पूरे गांव में पानी सप्लाई पूरी तरह बंद हो गई है। जनपद सदस्य धर्मेंद्र सिंह पंवार के अनुसार, पाइपलाइन मरम्मत के लिए तीन महीने पहले 20 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई थी, लेकिन अब तक न टेंडर प्रक्रिया पूरी हुई और न ही काम शुरू हो पाया। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

ग्रामीणों ने इस समस्या को लेकर एक माह पहले एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर जल्द समाधान की मांग की थी, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। हालात ऐसे हैं कि इंसानों के साथ-साथ मवेशी भी पानी के अभाव में परेशान हैं। गांव में पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष करना अब लोगों की मजबूरी बन गया है।

इस पूरे मामले में सबसे गंभीर पहलू विभागों के बीच जिम्मेदारी को लेकर चल रही खींचतान है। जल निगम का कहना है कि उनका काम केवल टंकियों को भरना है, जबकि पाइपलाइन की मरम्मत ग्राम पंचायत की जिम्मेदारी है। दूसरी ओर जनपद पंचायत का दावा है कि पाइपलाइन सुधार का कार्य जल निगम के अधीन आता है। इस आपसी टकराव के चलते समस्या का समाधान लगातार टलता जा रहा है और इसका खामियाजा आम ग्रामीण भुगत रहे हैं। ग्रामीणों की मांग है कि आदिवासी बस्ती के बंद हैंडपंप को तुरंत चालू कराया जाए, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत कार्य जल्द शुरू हो और तब तक टैंकरों के माध्यम से नियमित पानी आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

भीषण गर्मी के बीच तजपुरा सहित 26 पंचायतों में गहराया यह जल संकट न केवल योजनाओं की जमीनी हकीकत उजागर करता है, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और विभागीय समन्वय की कमी पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि लोगों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़े, तो यह व्यवस्था की विफलता का स्पष्ट प्रमाण है।

जल निगम के अधिकारी रोहित मिश्रा का कहना है कि तजपुरा में पाइपलाइन मरम्मत के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द ही काम प्रारंभ होगा। वहीं जनपद पंचायत सीईओ संजय अग्रवाल ने भी माना कि समस्या गंभीर है और इसके समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि तजपुरा की क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत की जिम्मेदारी जल निगम की है और अन्य पंचायतों में भी घर-घर पानी पहुंचाने का कार्य उसी विभाग के अंतर्गत आता है।

कॉलेज चलो अभियान: एनएसएस छात्राओं ने 12वीं पास विद्यार्थियों को दी प्रवेश की जानकारी

भैरूंदा। शासकीय महाविद्यालय भैरूंदा के राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं द्वारा 'कॉलेज चलो अभियान' के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिपानेर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों से संपर्क कर उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया। छात्राओं ने महाविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न संकायों व विषयों की जानकारी देते हुए प्रवेश प्रक्रिया, पात्रता और शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही ड्रॉपआउट विद्यार्थियों को दोबारा शिक्षा से जोड़ने पर भी जोर दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान एनएसएस की छात्राओं ने विद्यालय के 12वीं पास एवं ड्रॉपआउट विद्यार्थियों की सूची प्राचार्य श्रीमसिंह राजपूत से प्राप्त की, ताकि आगे भी उनसे संपर्क कर उन्हें महाविद्यालय में प्रवेश के लिए प्रेरित किया जा सके। यह अभियान कॉलेज चलो अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. भारत सिंह रेकवाल एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुजिता गौड़ के निर्देशन में संचालित हुआ। इसमें रानू मेहरा, महिमा टाक, जीनत हसन, अंबिका दुधे सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

ब्लॉक कांग्रेस की बैठक संपन्न

बुधनी। मंगलवार को ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय पर एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जिला प्रभारी सहित पार्टी के पदाधिकारियों सहित नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम में सहप्रभारी किशोर सोलंकी और बृजपाल राजावत ने यूथ कांग्रेस के पदाधिकारियों को चलो पंचायत कार्यक्रम के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर पहुंच कर युवाओं और महिलाओं से संवाद करने और अधिक से अधिक संख्या में उन्हें पार्टी से जोड़ने की बात कही वहीं पार्टी की ओर से विधानसभा प्रत्याशी रहे विक्रम मस्ताल शर्मा ने कहा की आज युवा बेरोजगार है। किसान परेशान है हमें एकजुट होकर भाजपा सरकार की नाकामियों का डटकर मुकाबला करना है।

यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष देवेंद्र ठाकुर ने अधिक से अधिक संख्या में युवाओं को पार्टी से जोड़ने की बात कही इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष सोनू राजपूत,युवक कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष कपिल चौहान, बसंत मालवीय, युवक कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ दुबे, राजीव दुबे, मोहित उईके, कल्पेश चौहान, अथर्व शर्मा, बलवीर चौहान, शुभम चौहान आदि अनेक कांग्रेसजन मौजूद रहे।

एसडीएम की 'विशेष टीम' और तहसीलदार का 'पुलिस बहाना' पड़ा ठंडा !

मूर्छित प्रशासन, निरंकुश माफिया: 'हरिभूमि' का खुलासा, फिर भी पार्वती पर माफियाराज!

एक निरीक्षण ऐसा भी: तहसीलदार 2 किमी दूर देखते रहे वेयरहाउस
प्रशासन नतमस्तक, माफिया मस्त! पार्वती में चली माफिया की पोकलेन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ब्यावरा/सुठालिया

उखड़ी हुई सड़के नदी पर पत्थरों के पहाड़ चीख-चीखकर सबूत दे रहैं है, गवाह खुद सुठालिया तहसीलदार का वह बयान है जिसमें उन्होंने 'अकेले क्या करूँ' का रोना रोया था। लेकिन अफसोस! 'हरिभूमि' द्वारा माफिया और प्रशासन के इस अपवित्र गठबंधन का पर्दाफाश करने के बाद भी धरातल पर धेले भर की कार्रवाई नहीं हुई। कानरखेड़ी, सेमलापार और लसूलडिया घाटा, टोड़ी, में पार्वती नदी की छटपटाहट अब और तेज हो गई है। नदी के बीचों-बीच खड़ी पोकलेन मशीनें प्रशासन के इकबाल को हर मिनट चुनौती दे रही हैं, और मूकदर्शक बना तंत्र गहरी नींद में सोया हुआ है।

याद दिला दें कि एक हफ्ते पहले जब सुठालिया तहसीलदार रामनिवास धाकड़ और नायब तहसीलदार रणधीर सिंह मीना बगवाज वेयरहाउस पर 'निरीक्षण' कर रहे थे, तब महज 2 किलोमीटर दूर माफिया का तांडव जारी था। तब साहब ने कहा था- ''मैं अकेला क्या करूँ, पुलिस बल को सूचना देता हूँ।'' सवाल यह है कि क्या वो पुलिस बल आज तक रास्ते में ही है? या फिर खाकी और खादी ने मिलकर माफिया को 'अभयदान' की पर्ची बांट दी है?

दिन का उजाला हो या रात का अंधेरा, नहीं थमता काला सोना का खेल

अब स्थिति यह है कि माफिया को न तो एसडीएम की 'विशेष टीम' का डर है और न ही स्थानीय प्रशासन का। 24 घंटे बिना रुके, बिना छिपे, सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध रेत (काला सोना) भरकर ब्यावरा,सुठालिया लखनवास, नरसिंहगढ़ के रास्तों से गुजर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि ये ट्रैक्टर जिन रास्तों से गुजरते हैं, वहीं से अधिकारियों की गाड़ियां भी निकलती हैं। फिर भी यह अंधापन समझ से परे है।

जनता के तीखे सवाल: अब तो जवाब दीजिए साहब!

सवाल नंबर 1: तहसीलदार साहब ने जिस पुलिस बल को फोन करने की बात कही थी, क्या उस पुलिस ने माफिया के आगे घुटने टेक दिए या साहब का फोन सिर्फ एक हवा-हवाई बयान था?

सवाल नंबर 2: ब्यावरा एसडीएम का वह 'विशेष टीम' वाला आश्वासन कहाँ गया? क्या वह टीम सिर्फ फाइलों में ही गठित होकर रह गई?

सवाल नंबर 3: जब नदी का सीना छलनी कर करोड़ों की रॉयल्टी चोरी की जा रही है, तो खनिज विभाग कुंभकर्णी नींद में क्यों सोया है? क्या इस मौन के पीछे 'महीने की बंधी रकम' मुख्य वजह है ?

जनता की अदालत में बड़ा सवाल' आखिर सुठालिया और ब्यावरा का यह इलाका किसके रहमों-करम पर चल रहा है? क्या यहां के जिम्मेदार अधिकारी माफिया के वेतनभोगी कर्मचारी की तरह काम कर रहे हैं? अगर 48 घंटे नहीं एक हफ्ते बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो यह साफ है कि नदी को बेचने के इस खेल में ऊपर से नीचे तक सबके हाथ रंगे हैं।''

''खबर जब भी प्रकाशित हुए कार्यवाही तो एक बार भी नहीं, पर हर बार एक नई अवैध खदान का जन्म हुआ। पहले सेकनपुर फिर सेमलापार फिर कानरखेड़ी,इसके बाद लसूलडिया और अब टोडी,

(पिछली खबर का असर शून्य)

दावा विरूध हकीकत

दावा: (एसडीएम/ तहसीलदार) जल्द विशेष टीम बनाकर माफियाओं पर शिकंजा कसेंगे, पुलिस बल बुला रहे हैं।

हकीकत: खबर छपने के बाद माफियाओं ने उत्खनन की रफ्तार दो गुनी कर दी। मौके पर एक भी प्रशासनिक अमला झांकने तक नहीं पहुंचा।

निष्कर्ष: पार्वती नदी का अस्तित्व खतरे में है। जलस्तर पाताल में जा रहा है और माफियाओं की तिजोरियां बढ़ रही हैं। अगर अब भी जिला प्रशासन (राजगढ़ कलेक्टर) ने इस मामले को संज्ञान में नहीं लिया, तो 'हरिभूमि' इस महालूट के खिलाफ जनता की आवाज बनकर लगातार बेनकाब करता रहेगा। अब देखना यह है कि इस खबर के बाद साहब 'पुलिस बल' ढूंढ पाते हैं या फिर से नया बहाना तैयार करते हैं।

इनका कहना है

हमारे द्वारा इस मामले में खनिज विभाग को सूचित कर दिया गया है। एक बार आप भी उनको बता दो, हम भी चाहते हैं की माफिया पर कार्यवाही हो पुलिस ,खनिज, और राजस्व सबकी टीम बना कर इन खदानों पर जल्द ही कार्यवाही की प्रकिया की जाएगी।

- **रामनिवास धाकड़,** तहसीलदार सुठालिया।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई: तीन गांवों में दी दबिश, अवैध भट्टी की नष्ट

गुना। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण एवं बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है।यह कार्रवाई कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन, उपायुक्त आबकारी ग्वालियर संभाग संदीप शर्मा के निर्देश तथा जिला आबकारी अधिकारी गुरुप्रसाद केवट के मार्गदर्शन में की गई।शनिवार को आबकारी वृत्त गुना-1 की टीम ने प्रभारी राधाकिशन अटारिया के नेतृत्व में ग्राम पीपलखेड़ी, भिदरा एवं हरिपुर में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान ग्राम हरिपुर में एक जलती हुई अवैध भट्टी संचालित अवस्था में पाई गई, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।कार्रवाई में कुल 3 प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जो मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)**A** एवं 34(1)**F** के तहत पंजीबद्ध किए गए।टीम ने मौके से लगभग 20 लीटर हाथभट्टी शराब और करीब 400 किलोग्राम गुड़ लाहन जब्त किया। अधिक मात्रा और परिवहन में असमर्थता के कारण लाहन के नमूने लेकर शेष सामग्री को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। जब्त सामग्री का अनुमानित मूल्य लगभग 22 हजार रुपये बताया गया है।इस कार्रवाई में आबकारी मुख्य आरक्षक रामहेत सिंह कुशवाह, आरक्षक दिनेश कुमार राठौर, अरुण कुमार शर्मा, गोविंद सिंह मीणा तथा महिला आरक्षक पूजा रघुवंशी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध इस तरह की सघन कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

वर्तमान अध्यक्ष पुष्पद का फूल माला पहनाकर सम्मान

पूर्व पार्षद शिवनारायण बने फूलमाली समाज खारीया पंचायत के अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶सारंगपुर

फूलमाली समाज मोहल्ला खारिया पंचायत की बैठक रविवार रात्रि को श्री राम मंदिर में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए नवीन कार्यकारिणी के गठन पर भी विचार विमर्श किया जाकर वार्ड क्रमांक 1 के पूर्व पार्षद शिवनारायण पुष्पद को खारिया मोहल्ला पंचायत का सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनाया गया।

उपस्थित समाज जनों ने श्री पुष्पद को फूल माला पहना कर स्वागत सम्मान किया गया तथा वर्तमान अध्यक्ष रवि पुष्पद को फूल माला पहनाकर सम्मान पूर्वक विदाई दी गई। इस दौरान नव नियुक्त अध्यक्ष शिवनारायण पुष्पद में कहा कि सभी समाज जनों के सहयोग से नवनिर्मित श्री राम मंदिर में भगवान की भव्य कार्यक्रम के साथ प्राण प्रतिष्ठा करना एवं धर्मशाला में विभिन्न निर्माण कार्य करना मेरी प्राथमिकता में रहेगा साथ ही समाज मैं व्याप्त कुरीतियों को दूर कर समाज को उन्नति की ओर ले जाने का कार्य सभी के सहयोग से किया जाएगा। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी केसर सिंह पुष्पद सकल पंच सचिव गोरीलाल पुष्पद, मदन लाल पुष्पद, देवनारायण पुष्पद, विनोद पुष्पद, वैभव पुष्पद, रामेश्वर पुष्पद, अनोखी लाल पुष्पद, केदार पुष्पद, मंगेश पुष्पद सहित अन्य समाजजन उपस्थित थे।

इस्तेमाई शादी सम्मेलन

नव विवाहित बने 32 जोड़ों का हुआ निकाह, कहा- कबूल...

सारंगपुर। रविवार को इस्तेमाई शादी समिति द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में 32 जोड़ों ने निकाह कबूल कर नई जिंदगी की शुरुआत की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहरवासी एवं समाजजन मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार सम्मेलन की तैयारियां पिछले एक सप्ताह से समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य कर रहे थे। रविवार शाम करीब 6 बजे कार्यक्रम की शुरुआत हुई। निकाह के लिए आए दूल्हा-दुल्हनों को व्यवस्थित रूप से निर्धारित स्थान पर ठहराया गया। निकाह ख्वानी शहर काजी कारी अब्दुल रशीद साहब की सरपरस्ती में हाफिज मौलाना अनीस एवं कारी मिसाबउद्दीन द्वारा संपन्न करवाई गई।

निकाह के बाद दूल्हा-दुल्हन की खुशहाल जिंदगी, अमन और तरक्की के लिए दुआ की गई। साथ ही शहर एवं तमाम आलम में भाईचारे और अमन-चैन की दुआ भी मांगी गई। इसके पश्चात समिति की और से सभी मेहमानों के भोजन की व्यवस्था की गई। इस्तेमाई शादी समिति के संस्थापक एवं संचालक एजाज यादें ने बताया कि यह आयोजन लगातार 11वें वर्ष आयोजित किया गया है।

सम्मेलन से जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह सामाजिक सहयोग से कराया जाता है। समिति द्वारा नवविवाहित जोड़ों को घरेलू उपयोग का सामान भी भेंट किया गया, जिसमें गोदरेज अलमारी, बेड, रजाई-बिस्तर, कुर्सी, सिलाई मशीन, कूलर, मिक्सर एवं अन्य उपयोगी सामग्री शामिल रही। इस अवसर पर अंजुमन कमेटी के सरपरस्त सैय्यद रफीक अली सेठ, हाफिज अली, डॉ. एम. ए. अलीम बाबा, कमरुद्दीन कुरैशी, आशिक मेव, डॉ. रफीक शेख, ख्वाजा शेख बहादुर, नावेद अली सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

पूल वाहन उपयोग को बढ़ावा दिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत साइकिल से पहुंचे कार्यालय

हरिभूमि न्यूज ▶▶राजगढ़

कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें सीएम हेल्पलाइन, सार्थक पोर्टल, समग्र आईडी ई-केवाईसी, ई-ऑफिस एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विभागवार प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। बैठक के दौरान कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने अनुविभागीय (राजस्वब) अधिकारी ब्यावरा को सीमांकन संबंधी आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार करने के निर्देश दिए तथा ऑफलाइन आवेदन लेने पर रोक लगाने को कहा, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बन सके। इस दौरान मुख्यव कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, अपर कलेक्टार श्री प्रताप सिंह चैहान, संयुक्तो कलेक्ट0र श्री विरेन्द्रे सिंह दांगी, अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी श्रीमती निधि भारद्वाज, डिप्टी कलेक्टिर डॉ. ज्यो,ति राजोरे सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहें।

साथ ही सार्थक पोर्टल पर उपस्थिति की समीक्षा के दौरान पशुपालन, आबकारी एवं आयुष विभाग की उपस्थिति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने नाराजगी व्यक्त की। नियमित उपस्थिति दर्ज नहीं करने पर सुश्री कुसुम यादवनरसिंहगढ़ को निलंबन नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। वहींग्रामीण कृषि विस्तुार अधिकारी सुश्री निर्मा यादव एवं सुश्रीपूजा यादव को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। जिला आयुष अधिकारी डॉ. अनिल जांगोलिया, डॉ. विजेता बरांगे एवं जे.ए. सिविल सप्लाइयर कॉर्पोशन श्री अर्निश खान से भी जवाब तलब किया गया।संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता के एक वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों की गंभीरता से समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के लिए संबंधित अधिकारियों को समयसीमा निर्धारित कर कार्यवाही करने को कहा।

स्थानीय निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने सभी अनुविभागीय (राजस्वय) अधिकारी को निर्देश दिए कि दावा-आपत्ति संबंधी सभी प्रकरण अनिवार्य रूप से पोर्टल पर दर्ज किए जाएं, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।बैठक में ई-टोकन व्यवस्था की प्रगति पर भी चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को इसकी साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। ई-ऑफिस कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने निर्देशित किया कि एक विषय से संबंधित केवल एक ही फाइल प्रेषित की जाए, ताकि अनावश्यक पुनरावृत्ति से बचते हुए कार्य में गति एवं पारदर्शिता लाई जा सके। साथ ही सभी विभागों को एनआईसी के माध्यम से ई-ऑफिस प्रशिक्षण आयोजित कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने एलडीएम को निर्देशित किया कि डीएलसीसी की बैठक इसी सप्ताह आयोजित करना सुनिश्चित किया जाए, जिससे लंबित बैंकिंग एवं वित्तीय प्रकरणों का समयसीमा में निराकरण हो सके। प्रशासनिक कार्यों में संसाधनों के बेहतर उपयोग एवं ईंधन बचत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूल वाहन व्यवस्था के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया।

गाली गलौज कर दी धमकी

घंटी बजाने के शक में 8 साल की मासूम को पीटा, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶खुजनेर

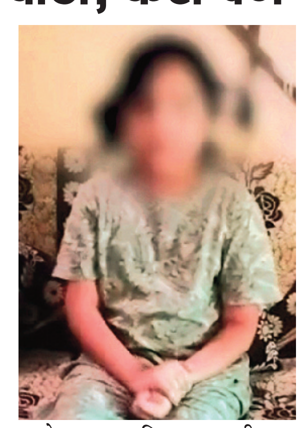

नगर के शिवाजी मार्केट क्षेत्र में मकान की घंटी बजाने के शक में एक युवक ने 8 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। मकान की घंटी बजाने के शक में एक युवक ने बच्ची को पकड़कर थप्पड़ मारे, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद सहमी बच्ची ने हिम्मत जुटाकर स्वयं पुलिस को फोन कर पूरी आपबीती बताई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, सोमवार को शिवाजी मार्केट स्थित प्राचीन शिव मंदिर के सामने कुछ बच्चे खेलते हुए एक मकान की घंटी बजाकर भाग रहे थे। इसी दौरान घंटी बजाने के संदेह में राजेश पिता दुलीचंद साहू निवासी खुजनेर ने 8 वर्षीय बच्ची को पकड़ लिया। आरोप है कि उसने बच्ची के साथ गाली-गलौज करते हुए हाथ-थप्पड़ों से मारपीट की और घसीटते हुए घर के अंदर ले जाने का प्रयास किया। साथ ही जान से खत्म करने की धमकी भी दी। घटना से डरी-सहमी बच्ची ने खुद पुलिस को फोन कर जानकारी दी परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 95/26 दर्ज किया है। आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत मामला कायम किया गया है। घटना के बाद परिजनों में रोष व्याप्त है लोगों ने मासूम बच्ची के साथ हुई इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कोर समिति के फैसलों पर कार्यकर्ताओं की नजर

युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रेस में 'जातिगत समीकरण' क्या फिर से सौंधिया समाज को मिलेगा मौका?

हरिभूमि न्यूज ▶▶सुठालिया

भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष की घोषणा अगले कुछ दिनों में होने वाली है। भोपाल में आयोजित भाजपा कोर कमेटी की बैठक में पैनल के नाम तय होने के बाद से ही दावेदारों को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। विशेषकर ब्यावरा विधानसभा क्षेत्र में इस नियुक्ति को लेकर सांगठनिक गलियारों में सुगबुगाहट शुरू हो चुकी है।

सांगठनिक अनुभव और निष्ठा पर उठ रहे सवाल

पार्टी सूत्रों के अनुसार, कुछ दावेदारों की सक्रियता और वरिष्ठ नेताओं से उनकी नजदीकियों को लेकर अंदरूनी तौर पर असंतोष देखा जा रहा है। कार्यकर्ताओं का एक वर्ग ऐसा भी है जिनका मानना है कि लंबे समय से संगठन के लिए समर्पित रहने वाले निष्ठावान कार्यकर्ताओं को ही प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बिना किसी पूर्व सांगठनिक जिम्मेदारी के बड़े पदों पर सीधे नियुक्ति से जमीनी स्तर पर काम कर रहे कार्यकर्ताओं के मनोबल पर असर पड़ सकता है।

ये नाम हैं चर्चा में (संभावित दावेदार)

-सुनील सरावत, सुठालिया के निवासी हैं। सोंधिया समाज से आते हैं।आज तक राजनीति में कोई भागीदारी नहीं फिर भी इस रेस में मजबूती से अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं।

-गौरव सोनी, भाजपा संगठन के प्रदेश कार्य समिति सदस्य हैं, नरसिंहगढ़ विधानसभा से आते हैं और व्यावसायिक पृष्ठभूमि से हैं।

-शुभम गुप्ता, भाजपा संगठन में जिला कार्यकारिणी सदस्य हैं। लखनवास के रहने वाले हैं और नरसिंहगढ़ क्षेत्र से सक्रिय राजनीति करते हैं।

जातिगत संतुलन और कोर समिति के सामने चुनौती

चर्चा है कि कोर समिति युवा मोर्चा अध्यक्ष पद के लिए पुनः सोंधिया समाज के किसी चेहरे पर विचार कर सकती है। चूंकि वर्तमान अध्यक्ष भी इसी समाज से आते हैं, इसलिए कार्यकर्ताओं का मानना है कि दोबारा ऐसा होने पर संगठन में जातिवाद को बढ़ावा मिलने के आरोप लग सकते हैं। इसके साथ ही, स्थानीय स्तर पर सामान्य वर्ग को भी नेतृत्व का मौका देने की मांग उठ रही है। कार्यकर्ताओं का तर्क है कि जिले के अधिकांश प्रमुख पदों पर ओबीसी वर्ग का प्रतिनिधित्व रहा है, ऐसे में आगामी चुनावों को देखते हुए सामान्य वर्ग के वरिष्ठ व समर्पित कार्यकर्ताओं को भी मुख्यधारा में मौका मिलना चाहिए।

प्रदेश संगठन की परीक्षा

नाम न छापने की शर्त पर एक वरिष्ठ कार्यकर्ता ने कहा, संगठन सबका साथ-सबका विकास की नीति पर चलता है। इसलिए सभी वर्गों और समाजों को उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए ताकि कार्यकर्ताओं में संतुलन बना रहे।

अब देखना यह होगा कि प्रदेश संगठन केवल सामाजिक समीकरणों को प्राथमिकता देता है या फिर संगठन के प्रति निष्ठा और जमीनी परफॉर्मेंस को। माना जा रहा है कि अगले 10 दिनों में नाम फाइनल हो जाएगा, जिसके बाद ही जिले की आगामी राजनीतिक दिशा तय होगी।

आरोन पुलिस की कार्रवाई: 70 लीटर कच्ची शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुना। गुना पुलिस द्वारा अवैध शराब एवं अन्य अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आरोन थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी राघौगढ़ दीपा डोडवे के पर्यवेक्षण में की गई।जानकारी के अनुसार 17 मई 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम टगराई-बनियाई रोड पर एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर अवैध कच्ची शराब लेकर बिक्री के लिए खड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां आरोपी पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन सतर्कता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया गया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजेश पारदी (उम्र 26 वर्ष), निवासी ग्राम माधौगढ़, थाना कचनार, जिला अशोकनगर के रूप में हुई है। उसकी मोटरसाइकिल पर बंधी दो कैनों की जांच में कुल 70 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब बरामद हुई।पुलिस ने बरामद शराब, जिसकी कीमत लगभग 7 हजार रुपये बताई गई है, तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (कीमत लगभग 60 हजार रुपये) को जब्त कर लिया है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम 34(2) के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र सिंह सिकरवार सहित पुलिस टीम के कई अधिकारियों और जवानों की सराहनीय भूमिका रही।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार पर आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश के लिए किया प्रेरित

सीहोर। सीहोर के पीएम एक्सीलेंस कॉलेज द्वारा कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के प्रेरित किया जा रहा है। प्राचार्य डॉ रोहिताश्व कुमार शर्मा ने बताया कि कॉलेज की समिति द्वारा विद्यार्थियों को व्यक्तिगत फोन कॉल के माध्यम से कॉलेज में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके साथ ही कॉलेज के एनसीसी एवं एनएसएस के छात्र भी गांव-गांव जाकर विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य ड्रॉपआउट दर को कम करना और सभी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए प्रेरित करना है।

सामान्य सभा की बैठक 22 मई को होगी

सीहोर। जिला पंचायत सभाकक्ष में 22 मई को दोपहर 03 बजे जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में जनजातीय कार्य विभाग, जिला पंजीयक एवं सहकारी संस्थायें, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागों की गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी।

20 मई को नागरिक निर्धारित संस्थानों से ले सकेंगे दवाई

आष्टा। मध्यप्रदेश केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन द्वारा 20 मई को मेडिकल स्टोर्स की हड़ताल के दौरान जिले में औषधि विक्रय संस्थानों को बंद रखने का आव्हान किया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के औषधिनिरीक्षक श्री किरण मघरे ने बताया कि मेडिकल स्टोर्स की हड़ताल के दौरान जिले के सभी प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों, सभी प्राइवेट अस्पतालों की मेडिकल स्टोर्स, सभी सरकारी अस्पताल एवं स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित फार्मेसी सहित सभी मेडप्लस एवं दवा इंडिया फार्मेसी संस्थानों पर दवाओं की आपूर्ति की जाएगी। नागरिक इन संस्थानों से दवाएं प्राप्त कर सकते हैं। हड़ताल के दौरान किसी भी मरीज को परेशानी न हो इस को लेकर यह व्यवस्था की गई है।

देवास-भोपाल कॉरिडोर की सफाई के लिए लगाई आग में कई पेड़ झुलसे

किसानों पर कार्रवाई, लेकिन कॉरिडोर में आग लगाने वालों पर कार्रवाई नहीं!

इंदौर-भोपाल रोड किनारे पेड़ों की शाखाएं, सूखी लकड़ियां और कचरा जलाकर पर्यावरण नियमों का किया जा रहा उलंघन।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोठरी

एक गरीब किसान यदि अपने खेत में सूखी घास या नरवाई जला दे तो सेटेलाइट से लोकेशन ट्रेस कर प्रशासन तुरंत चालान ठोक देता है। किसान को पर्यावरण का दुश्मन बताकर जुर्माने और कार्रवाई की धमकी दी जाती है। लेकिन सवाल यह है कि जब देवास-भोपाल कॉरिडोर रोड पर पेड़ों की कटाई-छंटाई के बाद खुलेआम आग लगाई जाती है, तब प्रशासन की सेटेलाइट, पर्यावरण विभाग और जिम्मेदारों को यह आग क्यों दिखाई नहीं दे रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कॉरिडोर रोड किनारे पेड़ों की शाखाएं, सूखी लकड़ियां और कचरा जलाकर पर्यावरण नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। धुएं से राहगीर परेशान हैं, हादसों का खतरा बढ़ रहा है, लेकिन एमपी आरडीसी और संबंधित ठेकेदारों पर कार्रवाई करने की हिम्मत प्रशासन नहीं दिखा पा रहा।

क्या सब के लिए अलग-अलग है कानून

किसानों पर सेटेलाइट निगरानी, जुर्माना और केस हो जाता है, लेकिन करोड़ों के प्रोजेक्ट चलाने वालों पर विभाग कार्रवाई नहीं करता है। क्या प्रशासन सिर्फ कमजोरों पर कानून चलाना जानता है? क्या कॉरिडोर कंपनी और ठेकेदारों को राजनीतिक संरक्षण मिला हुआ है? क्या पर्यावरण सिर्फ किसानों के खेत से ही खराब होता है? सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन उसी विकास के नाम पर यदि पेड़ों को काटकर आग के हवाले किया जा रहा है और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। यदि किसान पर कार्रवाई हो सकती है तो फिर एमपी आरडीसी, संबंधित ठेकेदार और निगरानी करने वाले अधिकारियों पर भी पर्यावरण कानूनों के तहत केस दर्ज होना चाहिए।

सेटेलाइट को नजर नहीं आई आग

कानून सबके लिए बराबर है या फिर सत्ता और ठेकेदारों के लिए अलग व्यवस्था चल रही है। किसान के खेत में धुआं उठा तो तुरंत चालान हो जाता है, लेकिन कॉरिडोर रोड पर आग लगाने वालों पर अब तक कार्रवाई नहीं होना पर्यावरण के लिए चिंता की बात है।

किसी ने सिगरेट पीकर फेकी

रोड पर चलते हुए किसी ने सिगरेट पीकर फेंक दी होगी, इसी कारण आग लगी होगी। हम जलाने का नहीं, बुझाने का काम करते हैं।

राजीव मिश्रा, देवास-भोपाल कॉरिडोर के पेट्रोलिंग इंचार्ज

आगजनी के दौरान नदारद रहने वाले आउटसोर्स कर्मचारी और ठेकेदार पर गिरी गाज

कर्तव्य में लापरवाही पर बड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

स्थानीय इंदौर-भोपाल बायपास स्थित एक गैरेज में हाल ही में हुई भीषण आगजनी की घटना के बाद प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। घटना के वक्त फायर ब्रिगेड स्टेशन से नदारद रहने वाले आउटसोर्स कर्मचारी को मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने तत्काल प्रभाव से सेवा से मुक्त कर दिया है। इसके साथ ही लापरवाही बरतने वाले आउटसोर्स ठेकेदार के खिलाफ भी नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की गई है।

ड्यूटी समय पर गायब

मुख्य नगरपालिका अधिकारी विनोदकुमार प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि जिस वक्त यह हादसा हुआ और दमकल वाहनों की सख्त आवश्यकता थी, उस दौरान फायर ब्रिगेड स्टेशन पर आउटसोर्स कर्मचारी मोहम्मद समीद उर्फ गुड्डू की तैनाती थी। नियमानुसार मोहम्मद समीद की ड्यूटी प्रातः 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक की शिफ्ट में थी और यह घटना भी प्रातःकाल ही घटित हुई थी। लेकिन जब आपातकालीन स्थिति में उनकी खोज की गई, तो वे बिना किसी पूर्व सूचना या अनुमति के अपने कर्तव्य से अनुपस्थित पाए गए। सीएमओ श्री प्रजापति ने कहा कि आपातकालीन सेवाओं में इस तरह की लापरवाही को कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए मुख्य नगरपालिका अधिकारी विनोद कुमार प्रजापति ने तुरंत एक्शन लिया। उन्होंने कर्तव्य में घोर लापरवाही बरतने, अनुशासनहीनता दिखाने और आपातकाल के समय गायब रहने के चलते मोहम्मद समीद उर्फ गुड्डू को तत्काल प्रभाव से कार्य से मुक्त कर दिया है। इसके साथ ही आउटसोर्सिंग एजेंसी पर भी शिकंजा कसा है। संबंधित आउटसोर्स ठेकेदार के विरुद्ध भी नियमों के तहत दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की गई है, क्योंकि ठेकेदार की यह जिम्मेदारी होती है कि वह सुनिश्चित करें कि शिफ्ट के दौरान कर्मचारी तैनात रहे। मुख्य नगरपालिका अधिकारी विनोद कुमार प्रजापति ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि भविष्य में भी फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य या किसी भी आपातकालीन सेवा में इस तरह की लापरवाही सामने आने पर संबंधित कर्मचारी और ठेकेदार के खिलाफ इससे भी कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गर्मी में मिल रही राहत, राहगीरों को मिल रहा ठंडा जल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

इन दिनों भीषण गर्मी और हीटवेव की चपेट में है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने भोपाल, सीहोर एवं देवास सहित कई जिलों में लू और अत्यधिक तापमान को लेकर अलर्ट जारी किया है। पारा 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान 45 डिग्री के आसपास दर्ज किया जा रहा है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण दोपहर के समय सफर करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऐसे हालात में एमपीआरडीसी के फांदा एवं आमलाहा टोल प्लाजा राहगीरों और वाहन चालकों के लिए राहत केंद्र बनकर सामने आए हैं। दोनों टोल प्लाजा पर आर.ओ. प्लांट के माध्यम से ठंडे एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई है, जहां बड़ी संख्या में लोग पानी भरने के लिए पहुंच रहे हैं। स्थिति यह है कि टोल प्लाजा पर ट्रक चालक, बस यात्री एवं अन्य राहगीर अपने कैन और बोतलों में ठंडा पानी भरते नजर आ रहे हैं। कई स्थानों पर पानी लेने के लिए लाइनें भी देखी गईं। तपती गर्मी में लंबी दूरी तय कर रहे वाहन चालकों को यह सुविधा काफी राहत दे रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोपहर के समय सड़क पर चलना मुश्किल हो रहा है और गर्म हवाओं के कारण शरीर में पानी की कमी तेजी से महसूस हो रही है। उपलब्ध ठंडा पेयजल यात्रियों के लिए बड़ी सहूलियत साबित हो रहा है।

अवैध नलकूप बोरवेल खनन पर किया मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

थाना जावर के अंतर्गत ग्राम केसोपुर में भू-जल स्तर के संरक्षण और अवैध बोरिंग माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दिनांक 19/05/26 को एक बड़ी कार्रवाई की गई है। जावर पुलिस को सूचना मिली थी कि थाना जावर के ग्राम केसोपुर में कुछ असामाजिक तत्वों माफियाओं द्वारा बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के अवैध रूप से बोरवेल का खनन किया जा रहा था। इस सूचना पर जावर पुलिस बल द्वारा मौके पर औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान राहुल पिता प्रेमसिंह बागवान नि. डोडी,रतन सिंह पिता दरियाव सिंह मालवीय नि. केसोपुर द्वारा बिना पूर्व अनुमति/लाइसेंस के बोरवेल मशीन से अवैध खनन करते हुए पाया गया। ज़िला कलेक्टर द्वारा गर्मी के मौसम को देखते हुए पूर्व में ही ज़िले में नए बोरवेल खनन पर प्रतिबंधात्मक आदेशजारी किए गए थे। जावर पुलिस द्वारा मौके पर त्वरित कार्रवाई करते हुए बोरवेल ड्रिलिंग मशीन को जब्त कर लिया गया है। मशीन को सुरक्षित अभिरक्षा में जावर थाने में खड़ा करवा दिया गया है। संबंधित वाहन मालिक और भूमि मालिक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है। जावर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी यदि बिना अनुमति बोरवेल खनन करते हुए कोई पाया जाता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी । भारी जुर्माना और FIR दर्ज करने की कठोर कार्यवाही की जाएगी ।

दवा व्यापारियों ने तहसील कार्यालय में दिया ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

देशभर के दवा व्यापारियों ने 20 मई 2026 बुधवार को ऑल इंडिया मेडिकल स्टोर्स बंद का आह्वान किया है। इस बंद के समर्थन में विभिन्न दवा व्यापारी संगठनों एवं मेडिकल स्टोर संचालकों ने ऑनलाइन दवाओं की बिक्री, कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा दिए जा रहे भारी डिस्काउंट तथा नकली दवाओं के बढ़ते कारोबार के खिलाफ आवाज उठाई है। व्यापारियों का कहना है कि ऑनलाइन दवा बिक्री से छोटे मेडिकल स्टोर संचालकों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। साथ ही बड़े कॉर्पोरेट घरानों द्वारा भारी छूट देकर बाजार में असंतुलन पैदा किया जा रहा है, जिससे पारंपरिक दवा व्यापार संकट में है। संगठनों ने यह भी आरोप लगाया कि बाजार में नकली एवं बिना मानक वाली दवाओं की बढ़ती संख्या आम जनता के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। उनका कहना है कि सरकार को इस दिशा में कठोर कदम उठाने चाहिए ताकि देश को नकली दवाओं से बचाया जा सके। जावर केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह ठाकुर और जिला केमिस्ट एसोसिएशन के सदस्यों अरविंद सिंह ठाकुर मनोज अजमेरा, मुकेश पांचाल ,विदुर पाटीदार, दीपक शर्मा, महेंद्र सिंह,कृपाल सिंह ठाकुर, हरिओम ठाकुर, दीपक पाटीदार, डॉ कृष्ण रवि पाटीदार, विकास पाटीदार ,डॉ संजय कृष्ण पाल आदि केमिस्ट साथियों ने तहसीलदार जावर को एक ज्ञापन प्रस्तुत किया।

सांसद का विधायक कार्यालय पर स्वागत

आष्टा। देवास लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी आज नेमावर से भोपाल जाते वक्त अल्प समय के लिये विधायक कार्यालय आष्टा पहुंचे। विधायक कार्यालय पहुचने पर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर के नेतृत्व में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत एवं सम्मान किया। विधायक कार्यालय पहुचे देवास सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी का विधायक गोपालसिंह इंजीनियर द्वारा सांसद जी का साफा पहनाकर एवं रामनामी दुपट्टा पहना कर सम्मान कर स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा,सुशील संचेती, नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल चौरसिया, तारा कटारिया, रितु जैन, संध्या देवांग, धनरूपमाल जैन, मोहित सोनी, योगेन्द्र ठाकुर, हरेन्द्र ठाकुर, प्रवेश शर्मा, सौरभ जैन, अर्जुन ठाकुर, अवनीश पिपलोदिया, राजेश घेंघट, मानसिंह ठाकुर, मुकेश परमार सरपंच, जगदीश पोरवाल सरपंच सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दबंगों ने दी जान से मारने की धमकी

सीहोर। आष्टा के ग्राम नीलबड़ के दो किसानों ने भूमि पर कब्जा न मिलने और दबंगों द्वारा जान से मारने की धमकी देने की शिकायत कलेक्टर से की है। प्रार्थी उमराव सिंह और प्रहलाद जाटव ने बताया कि उनकी पैतृक भूमि पर कब्जा दिलाने के लिए कलेक्टर कार्यालय से आदेश जारी हुआ था। आदेश के पालन में 16 मई को राजस्व निरीक्षक कमल कीर और पटवारी विकास यादव पुलिस बल के साथ खेत पर पहुंचे थे। लेकिन किसानों का आरोप है कि ऐन वक्त पर तहसीलदार का फोन आने की बात कहकर अधिकारी बिना कब्जा दिलाए ही वापस लौट गए। पीड़ित किसानों ने बताया कि अधिकारियों के लौटते ही जगदीश, मांगीलाल, घासीराम ने जमीन पर जबरन बखर चला दी। विरोध करने पर आरोपियों द्वारा हाथ-पैर तोड़ने और जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं।

अव्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेस ने दिया ज्ञापन

मनमाने तरीक से हो रही बिजली कटौती

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

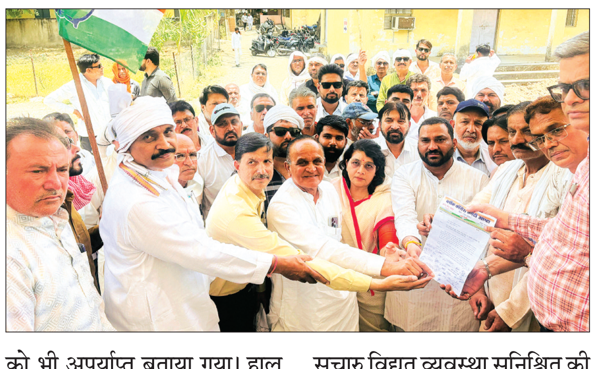

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आष्टा द्वारा नगर में लगातार हो रही अव्यवस्थित बिजली कटौती एवं नगर पालिका की फायर ब्रिगेड व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर जिला प्रशासन के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह मेमदाखेड़ी के नेतृत्व में दिया गया।ज्ञापन में बताया गया कि आष्टा नगर में बिना पूर्व सूचना बार-बार बिजली कटौती किए जाने से आमजन, व्यापारी, मरीज एवं छोटे व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि विद्युत विभाग द्वारा लोड शेडिंग के नाम पर मनमानी तरीके से बिजली काटी जा रही है, जबकि आष्टा एक बड़ा एवं अनुविभागीय नगर है। साथ ही ज्ञापन में नगर पालिका की फायर ब्रिगेड व्यवस्था को भी अपर्याप्त बताया गया। हाल ही में बायपास चौपाटी क्षेत्र में हुई आगजनी की घटना का उल्लेख करते हुए कहा गया कि नगर में पर्याप्त संसाधनों एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त फायर ब्रिगेड उपलब्ध नहीं है, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ब्लॉक कांग्रेस ने प्रशासन से मांग की कि अव्यवस्थित बिजली कटौती पर तत्काल रोक लगाकर नियमित एवं सुचारु विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा फायर ब्रिगेड व्यवस्था को आधुनिक संसाधनों एवं पर्याप्त कर्मचारियों के साथ सशक्त किया जाए तथा आगजनी से प्रभावित व्यापारियों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कैलाश परमार, वरिष्ठ पार्षद हिजफुररहमान भैया मियाँ, जिला पंचायत सदस्य कमलसिंह चौहान, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष डॉ मीना सिंगी, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष सोबाल सिंह मुगली, रमेशचंद मुकाती, सोबालसिंह बागेर, विनीत सिंगी, भैया एमपी, इदरीस मंसूरी, घनश्याम जांगड़ा, चन्दर सिंह ठाकुर, सोहेल मिर्जा, खालिद पठान, राजकुमार मालवीय, नरेन्द्र कुशवाह, तौसीफउद्दीन, सलीम अंसारी, महमूद अंसारी, प्रदीप सिंह भाटी, गोरे मियाँ, नानूराम कासनया, अमित पटेल , संदीप सिंह ठाकुर, पंकज मुकाती, डॉ हरि मेवाडा, स्वरूप जवारिया, अर्जुन अजय, श्याम पटेल, बंशी बांबे, इमरान खान नफीस शाह , रूपसिंह गोरिया, मुकेश मालवीय, महेश पटेल, राजकुमार ठाकुर, देवराज मालवीय, सुरेन्द्र ठाकुर, राहुल ठाकुर, रिजवान ख़ान, कृपाल तोमर, मोतीसिंह, महेश पटेल , भरत वर्मा, विष्णु बांबे, दिलीप मालवीय आदि मौजूद रहे।